PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Hindustan, Delhi
Thu, 25 May 2017, Page 14
Width: 13.80 cms, Height: 26.16 cms, a4, Ref: 27.2017-05-25.120

रेलवे

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को जमीन पर उतारने में जुटा मंत्रालय

फैसला : रेल मंत्रालय को पिछले तीन सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट बुलेट ट्रेन को जमीन पर उतारने में सफलता मिली है। जापान से कम ब्याज पर कर्ज हासिल करने के अलावा रेलवे ने सभी कागजी कार्रवाई पूरी कर ली है। अगले महीने से मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड कॉरिडोर बनाने के लिए भूमि अधिग्रहण कार्य शुरू होने जा रहा है। रेलवे ने 2023 तक बुलेट ट्रेन दौड़ाने का लक्ष्य रखा है।

सवाल : 2016-17 में रेलों के बेपटरी होने के कई हादसों ने सवाल खड़े किए हैं। सामान्य मौसम में भी उत्तर भारत की अधिकांश यात्री ट्रेनें लेटलतीफी का शिकार हैं। बतातें हैं कि रेल हादसों पर कार्रवाई के बाद ड्राइवर, गार्ड, स्टेशन मास्टर ट्रेनों को धीमी रफ्तार पर चला रहे हैं। दिल्ली-हावड़ा रुट पर तो पटरियों पर अधिक यातायात दबाव के कारण ड्राइवर को कई जगह 20 से लेकर 60 किलोमीटर की रफ्तार से ट्रेन को चलाने के निर्देश हैं। कई जोनल में तो 100 ट्रेनों में से सिर्फ 52 ट्रेनें समय पर चल पा रही हैं। रेलवे देश भर में ट्रेनों का औसत परिचालन 87% बताता है। पिछले तीन सालों में ट्रेन दुर्घटनाओं के मामले बढ़े हैं।

उम्मीद : रेल यात्रियों की खानपान सेवा में पिछले तीन साल में कोई खास सुधार नहीं हो सका है। लेकिन ई-कैटरिंग यात्री फोन से आर्डर देकर ब्रांडेड खाना मंगा सकता है। इसके तहत ऑनलाइन आर्डर बुक कराने की व्यवस्था की गई है। उम्मीद है कि इससे ठेकेदारों की मनमानी भविष्य में रुकेगी। हालांकि फिलहाल तो राजधानी जैसी ट्रेनों में भी खाने की गुणवत्ता को लेकर जब-तब शिकायतें मिलती रहती हैं। तय रेट से अधिक वसूली की शिकायतें बंद नहीं हुई है। ई-कैटरिंग सेवा पर यात्रियों का फीडबैक भी लिया जा रहा है।